CBSE Class 10 - Hindi A
Sample Paper 03 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

आवश्यकता के अनुरूप प्रत्येक जीव को कार्य करना पड़ता है। कर्म से कोई मुक्त नहीं है। अत्यंत उच्चस्तरीय आध्यात्मिक जीव जो साधना में लीन है अथवा उसके विपरीत वैचारिक क्षमता से हीन व्यक्ति ही कर्महीन रह सकता है। शरीर ऊर्जा का केंद्र है। प्रकृति से ऊर्जा प्राप्त करने की इच्छा और अपनी ऊर्जा से परिवेश को समृद्ध करने का भाव मानव के सभी कार्यव्यवहारों को नियंत्रित करता है। अतः आध्यात्मिक साधना में लीन और वैचारिक क्षमता से हीन व्यक्ति भी किसी न किसी स्तर पर कर्मलीन रहते ही हैं।

गीता में कृष्ण कहते हैं, 'यदि तुम स्वेच्छा से कर्म नहीं करोगे तो प्रकृति तुमसे बलात् कर्म कराएगी।' जीव मात्र के कल्याण की भावना से पोषित कर्म पूज्य हो जाता है। इस दृष्टि से जो राजनीति के माध्यम से मानवता की सेवा करना चाहते हैं उन्हें उपेक्षित नहीं किया जा सकता। यदि वे उचित भावना से कार्य करें तो वे अपने कार्यों को आध्यात्मिक स्तर तक उठा सकते हैं।

यह समय की पुकार है। जो राजनीति में प्रवेश पाना चाहते हैं, वे यह कार्य आध्यात्मिक दृष्टिकोण लेकर करें और दिनप्रतिदिन आत्मविश्लेषण, अंतर्दृष्टि, सतर्कता और सावधानी के साथ अपने आप का परीक्षण करें, जिसमें वे सन्मार्ग से भटक न 'जाएँ। राजेंद्र प्रसाद के अनुसार "सेवक के लिए हमेशा जगह खाली पड़ी रहती है। उम्मीदवारों की भीड़ सेवा के लिए नहीं हआ करती। भीड तो सेवा के फल के बँटवारे के लिए लगा करती है जिसका ध्येय केवल सेवा है, सेवा का फल नहीं, उसको इस धक्का-मुक्की में जाने की और इस होड़ में पड़ने की कोई जरूरत नहीं है।

I. कर्म से मुक्ति संभव क्यों नहीं है?
   i. क्योंकि कर्म ही ऊर्जा का साधन है
   ii. क्योंकि कर्म ही श्रेष्ठ है

iii. क्योंकि कर्म करना आवश्यक है

iv. क्योंकि कर्म से कोई मुक्त नहीं है

II. सच्चे सेवक की पहचान क्या है?

i. वह हमेशा भरी हुई जगह को भर देता है

ii. वह हमेशा खाली पड़ी जगह को भर देता है

iii. वह सच्ची सेवा करता है

iv. वह सेवा नहीं करता है

III. मनुष्य स्वयं को आध्यात्मिक स्तर तक कब उठा सकता है ?

i. जब वह स्वेच्छा से कर्म करता है

ii. जब वह कल्याण की भावना से मानवता की सेवा नहीं कर सकता है

iii. जब वह कल्याण की भावना से मानवता की सेवा करता है

iv. जब वह स्वेच्छा से कर्म नहीं करता है

IV. प्रकृति हमसे कब बलात कर्म करवाती है ?

i. जब हम स्वेच्छा से कर्म नहीं करते हैं

ii. जब हम स्वेच्छा से कर्म करते हैं

iii. जब हम आध्यात्मिक साधना में लीन होते हैं

iv. जब हम सेवा कार्य करते हैं

V. किस प्रकार का कर्म पूज्य हो जाता है?

i. जो पूजनीय होता है

ii. जिसमें जीव मात्र की कल्याण भावना निहित होती है

iii. जिसमें जीवमात्र की कल्याणभावना निहित नहीं होती है

iv. इनमें से कोई नहीं

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अध्ययनों और संयुक्त राष्ट्र की मानव-विकास रिपोर्टों ने भारत के बच्चों में कुपोषण की व्यापकता के साथ-साथ बाल मृत्यु-दर और मातृ मृत्यु दर का ग्राफ़ काफ़ी ऊँचा रहने के तथ्य भी बार-बार जाहिर किए हैं। यूनिसेफ़ की रिपोर्ट बताती है कि लड़कियों की दशा और भी खराब है।

पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बाद, बालिग होने से पहले लड़कियों को ब्याह देने के मामले दक्षिण एशिया में सबसे ज़्यादा भारत में होते हैं। मातृ-मृत्यु दर और शिशु मृत्यु-दर का एक प्रमुख कारण यह भी है। यह रिपोर्ट ऐसे समय जारी हुई है जब बच्चों के अधिकारों से संबंधित वैश्विक घोषणा-पत्र के पच्चीस साल पूरे हो रहे हैं। इस घोषणा-पत्र पर भारत और दक्षिण एशिया के अन्य देशों ने भी हस्ताक्षर किए थे। इसका यह असर ज़रूर हुआ कि बच्चों की सेहत, शिक्षा, सुरक्षा से संबंधित नए कानून बने, मंत्रालय या विभाग गठित हुए, संस्थाएँ और आयोग बने।

घोषणा-पत्र से पहले की तुलना में कुछ सुधार भी दर्ज हआ है। पर इसके बावजूद बहुत सारी बातें विचलित करने वाली हैं। मसलन, देश में हर साल लाखों बच्चे गुम हो जाते हैं। लाखों बच्चे अब भी स्कूलों से बाहर हैं। श्रम-शोषण के लिए विवश बच्चों की तादाद इससे भी अधिक है वे स्कूल में पिटाई और घरेलू हिंसा के शिकार होते रहते हैं।

परिवार के स्तर पर देखें तो संतान का मोह काफ़ी प्रबल दिखाई देगा, मगर दूसरी ओर बच्चों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता बहुत क्षीण है। कमज़ोर तबकों के बच्चों के प्रति तो बाकी समाज का रवैया अमूमन असहिष्णुता का ही रहता है। क्या ये स्वस्थ समाज के लक्षण हैं?

I. यूनिसेफ की रिपोर्ट में किस बात पर चिंता व्यक्त की गई है?
   i. लडकियों की ख़राब दशा पर
   ii. कुपोषण पर
   iii. बाल मृत्यु दर पर
   iv. जन्म मृत्यु दर पर

II. घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने का उद्देश्य क्या था?
   i. लड़कियों को बचाना
   ii. बच्चों की दशा को सुधारना
   iii. नए कानून बनाना
   iv. संस्थाएँ बनाना

III. परिवार के स्तर पर किसका मोह अधिक प्रबल दिखाई देता है?
   i. पिता का
   ii. माता का
   iii. संतान का
   iv. परिवार का

IV. कमज़ोर तबकों के बच्चों के प्रति समाज का रवैया किस प्रकार का है?
   i. संवेदनशीलता का
   ii. असंवेदनशीलता का
   iii. सहिष्णुता का
   iv. असहिष्णुता का

V. बच्चों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता कैसी है?
   i. क्षीण
   ii. न्यून
   iii. अधिक
   iv. मज़बूत

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

निर्मम कुम्हार की थापी से
कितने रूपों में कुटी-पिटी
हर बार बिखेरी गई किंतु
मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी।
आशा में निश्छल पल जाए, छलना में पड़कर छल जाए ।
सूरज दमके तो तप जाए रजनी ठुमके तो ढल जाए,
यो तो बच्चों की गुड़िया-सी, भोली मिट्टी की हस्ती क्या
आँधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए,
फ़सलें उगती, फ़सलें कटती लेकिन धरती चिर उर्वर है।
सौ बार बने सौ बार मिटे लेकिन मिट्टी अविनश्वर है।

I. सूरज के दमकने पर मिट्टी पर क्या असर पड़ता है?
   i. वह तपकर मज़बूत हो जाती है
   ii. वह जल जाती है
   iii. वह सूख जाती है
   iv. वह गर्म हो जाती है
II. 'यो तो बच्चों की गुड़िया सी' में कौन-सा अलंकार है?
   i. उत्प्रेक्षा
   ii. उपमा
   iii. अनुप्रास
   iv. रूपक
III. मिट्टी कब ढल जाती है?
   i. सुबह होने पर
   ii. डॉन निकलने पर
   iii. दिन छिपने पर
   iv. रात होने पर
IV. कुम्हार को निर्मम क्यों कहा गया है ?
   i. क्योंकि वह मिट्टी को कूटता - पीटता है
   ii. क्योकि उसका स्वभाव ही ऐसा है
   iii. क्योंकि वह मिट्टी की कद्र नहीं करता
   iv. क्योंकि उसमें मानवीयता नहीं है
V. कवि ने मिट्टी को कैसा बताया है ?
   i. नश्वर
   ii. अनश्वर

iii. नम
iv. बिखरी हुई

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

तुम कुछ न करोगे, तो भी विश्व चलेगा ही,

फिर क्यों गर्वीले बन लड़ते अधिकारों को?

सो गर्व और अधिकार हेतु लड़ना छोड़ो,
अधिकार नहीं, कर्तव्य-भाव का ध्यान करो!
है तेज़ वही, अपने सान्निध्य मात्र से जो
सहचर-परिचर के आँसू तुरत सुखाता है,
उस मन को हम किस भाँति वस्तुतः सु-मन कहें,
औरों को खिलता देख, न जो खिल जाता है?
काँटे दिखते हैं जब कि फूल से हटता मन,
अवगुण दिखते हैं जब कि गुणों से आँख हटे;
उस मन के भीतर दुख कहो क्यों आएगा;
जिस मन में हों आनंद और उल्लास डटे!
यह विश्व व्यवस्था अपनी गति से चलती है,
तुम चाहो तो इस गति का लाभ उठा देखो,
व्यक्तित्व तुम्हारा यदि शुभ गति का प्रेमी हो
तो उसमें विभु का प्रेरक हाथ लगा देखो!

I. काव्यांश में लोगों की किस प्रवृत्ति की ओर संकेत किया गया है?
   i. घमंडी प्रवृत्ति की ओर
   ii. लडाई की ओर
   iii. अधिकारों की ओर
   iv. त्याग की ओर
II. काव्यांश में निहित संदेश है -
   i. अपने अधिकारों के लिए लड़ना
   ii. कर्तव्य भाव रखते हुए अधिकारों की लडाई को छोड़ना
   iii. कर्तव्य भाव न रखते हुए अधिकारों की लडाई को छोड़ना
   iv. कर्तव्य भाव न रखते हुए अधिकारों की लडाई करना

III. कवि ने किस प्रकार के तेज को अपनाने को कहा है ?

i. जो बहुत तेज़ होता है |

ii. जो प्रखर होता है |

iii. जिससे दुःख दूर होता है |

iv. जिससे दुःख बढ़ता है |

IV. काव्यांश में 'सु-मन' किन्हें कहा गया है ?

i. जो अच्छे फूल हैं

ii. जो पूरे खिलते हैं

iii. जो खुशबू देते हैं

iv. जो अपना मन सुंदर और स्वच्छ रखते हैं

V. दुःख कैसे मन में प्रवेश नहीं कर पाता है ?

i. जो पहले से दुखी होता है

ii. जिसके मन में उल्लास हो

iii. जिसके मन में उल्लास न हो

iv. जो सुखी हो

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ?

a. संयुक्त वाक्य

b. मिश्र वाक्य

c. सरल वाक्य

d. क्रिया विशेषण

ii. निम्नलिखित वाक्य का मिश्र वाक्य होगा -

चौकीदार आया। वह आवाज़ लगाकर चला गया।

a. चौकीदार आया तो था परन्तु वह आवाज़ लगाकर चला गया।

b. चौकीदार आया और आवाज़ लगाकर चला गया।

c. आवाज़ लगाते ही चौकीदार आ गया।

d. चौकीदार आकर आवाज़ लगाकर चला गया।

iii. उपयुक्त वाक्य भेद चुनिए : उसने कहा कि वह दिल्ली जा रहा है।

a. विशेषण उपवाक्य

b. क्रियाविशेषण उपवाक्य

c. सरल वाक्य

d. संज्ञा उपवाक्य

iv. यहाँ पहले जंगल था, परन्तु अब घनी बस्ती है। वाक्य में रचना के आधार पर उचित वाक्य भेद बताइए।

a. सरल वाक्य
b. संयुक्त वाक्य
c. मिश्र वाक्य
d. प्रधान वाक्य

v. रचना की दृष्टि से निम्नलिखित वाक्य किस प्रकार का है - वह बाज़ार से फल, सब्जी और राशन का सामान लाया।
a. मिश्र वाक्य
b. संयुक्त वाक्य
c. आश्रित वाक्य
d. सरल वाक्य

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. प्रेमचन्द ने गोदान लिखा - वाक्य के लिए उचित कर्मवाच्य चुनिए।
a. प्रेमचंद गोदान लिख रहे थे।
b. प्रेमचंद गोदान लिख चुके थे।
c. प्रेमचंद ने गोदान लिखा था।
d. प्रेमचंद के द्वारा गोदान लिखा गया।

ii. सूचना, विज्ञप्ति आदि में जहाँ कर्ता निश्चित न हो, वहाँ निम्नलिखित में से कौन सा वाच्य होगा -
a. कर्मवाच्य
b. भाववाच्य
c. संज्ञावाच्य
d. कर्तृवाच्य

iii. कर्म की प्रधानता वाला वाच्य होता है -
a. भाववाच्य
b. ये सभी
c. कर्तृवाच्य
d. कर्मवाच्य

iv. पक्षियों से आकाश में उड़ा जाता है - वाक्य में प्रयुक वाच्य बताइए।
a. संज्ञावाच्य
b. कर्मवाच्य
c. भाववाच्य
d. कर्तृवाच्य

v. निम्नलिखित में से भाववाच्य का उचित उदाहरण होगा -
a. मुझसे चला नहीं जाता।
b. हम हँसते हैं।

c. मुझसे गलती हो गई।

d. बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. यह मकान किसका है ?

a. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

b. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

c. संज्ञा

d. निश्चयवाचक सर्वनाम

ii. वह व्यक्ति कठोर परिश्रम कर रहा है - वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है -

a. क्रियाविशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. गुणवाचक विशेषण

d. परिमाणवाचक विशेषण

iii. सैनिक देश की **सीमाओं** की रक्षा करते हैं। रेखांकित पद का उचित पद परिचय चुनिए।

a. जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक।

b. जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक।

c. जातिवाचक संज्ञा , बहुवचन , एकवचन , अधिकरण कारक |

d. व्यक्तिवाचक संज्ञा , बहुवचन , पुल्लिंग , सम्बन्ध कारक |

iv. रीतिवाचक क्रियाविशेषण का उचित उदाहरण होगा -

a. काला घोड़ा तेज़ भागता है।

b. वह बाज़ार जा रहा है।

c. काला घोड़ा तेज़ भागता है।

d. काला घोड़ा तेज़ भागता है।

v. आप चुप रहिए - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन , पुल्लिंग , कर्ता कारक

b. अकर्मक क्रिया , द्विवचन , पुल्लिंग

c. सर्वनाम , संज्ञा , वर्तमान काल

d. संज्ञा , सर्वनाम, क्रिया

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. सुनती हूँ तू राजा है
मैं प्यारी बेटी तेरी
क्या दया न आती तुझको

यह दशा देखकर मेरीI

-उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है ?

a. वात्सल्य रस
b. श्रृंगार रस
c. वीर रस
d. करुण रस

ii. श्रृंगार रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. प्रसन्नता
b. क्रोध
c. रति
d. विस्मय

iii. शोक किस रस का स्थायी भाव है ?

a. वात्सल्य रस
b. श्रृंगार रस
c. वीर रस
d. करुण रस

iv. 'हास' किस रस का स्थायी भाव है ?

a. हास्य रस
b. वीर रस
c. श्रृंगार रस
d. करुण रस

v. नाक तमंचे जैसी इसकी, उसकी नाक दुनाली।

किसी-किसी की भरी-भरी सी, किसी-किसी की खाली।।

हास्य रस के इस उदाहरण में आलंबन क्या है?

a. श्रोता
b. नाक
c. दुनाली
d. तमंचा

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

हालदार साहब की आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से ही पूछ लिया, क्यों भई! क्या बात है? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है? पानवाले के खुद के मुँह में पान ठुँसा हुआ था। वह एक काला, मोटा और खुशमिजाज आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों-ही-आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान

थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाकर बोला, कैप्टन चश्मेवाला करता है।

I. 'बत्तीसी दिखाना' से क्या अभिप्राय है?
   i. ज़ोर से हँसते हुये बोलना
   ii. दाँत दिखाना
   iii. हँसना
   iv. बात करना

II. हालदार साहब ने पानवाले से क्या पूछा?
   i. मूर्ति के बारे में
   ii. पान के बारे में
   iii. चश्मा हर बार बदलने के बारे में
   iv. चश्मा बदलने वाले के बारे में

III. हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी ?
   i. पान खाने की
   ii. चौराहे पर रुकने की
   iii. मूर्ति को ध्यान से देखने की
   iv. सभी विकल्प सही हैं

IV. हालदार साहब का कौतूहल दुर्दमनीय क्यों हो उठा ?
   i. उनका कौतूहल बढ़ गया था
   ii. वह बार- बार बदलते चश्मों का कारण जानना चाहते थे
   iii. वह स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे थे
   iv. सभी विकल्प सही हैं

V. पानवाले का व्यक्तित्व कैसा था ?
   i. वह एक काले रंग का व्यक्ति था
   ii. वह बहुत हँसमुख व्यक्ति था
   iii. वह एक मोटा व्यक्ति था
   iv. सभी विकल्प सही हैं

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

   i. कैप्टन को क्या आहत करता है?
      a. आदमकद नेताजी की मूर्ति
      b. बिना चश्मे वाली नेताजी की मूर्ति
      c. फौजीवेश वाली नेताजी की मूर्ति
      d. नेताजी की मूर्ति

   ii. फादर कामिल बुल्के को याद करना लेखक को किसके समान लगता है ?

a. लोकगीत सा
b. करुण संगीत -सा
c. करुणा में स्नान करने सा
d. भक्ति संगीत सा

iii. फादर कामिल बुल्के अक्सर अपने परिवार में किसे याद करते थे ?
a. भाई
b. बहन
c. माँ
d. पिता

9. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी, दिखाई मत देना।

I. 'लड़की जैसी दिखाई मत देना' माँ ऐसी सीख क्यों देती है?
i. दुर्बलता को दिखाने के लिए
ii. दुर्बलता को ताकत बनाने के लिए
iii. अन्याय सहने के लिए
iv. प्रताड़ित होने के लिए

II. 'आग' का प्रयोग कहाँ न करने की माँ सीख देती है?
i. जलने के लिए
ii. रोटियाँ सेंकने के लिए
iii. जलाने के लिए
iv. प्रकाश के लिए

III. **वस्त्र और आभूषण, शाब्दिक भ्रमों की तरह** पंक्ति का आशय है।
i. ये जीवन के बंधन हैं
ii. स्वतंत्रता के प्रतीक
iii. रीति-रिवाज के प्रतीक
iv. जीवन जीने में सहायक

IV. एक स्त्री का जीवन किसमें नहीं सिमटा होना चाहिए?

i. घर में
ii. रिवाजों में
iii. वस्त्र और आभूषण के भ्रम में
iv. दुख में

V. उपरोक्त कविता के कवि कौन हैं?

i. नागार्जुन
ii. गिरिजा कुमार माथुर
iii. जयशंकर प्रसाद
iv. ऋतुराज

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा पंक्ति में निम्नलिखित में से कौन सा अलंकार है।

a. यमक
b. रूपक
c. उपमा
d. अनुप्रास

ii. 'पाठिका' शब्द का पुल्लिंग बताएं-

a. पाठकीय
b. पथिक
c. पाठक
d. पताका

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. गाँव का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता है? **बाल गोबिन भगत** पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
ii. लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए उत्सुक नहीं हैं?
iii. नेताजी की मूर्ति में कौन-सी कमी थी और क्यों?
iv. हिंदी की दुर्दशा पर फ़ादर बुल्के के हृदय से एक चीख सुनाई देती है और आश्चर्य भी। कैसे?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. 'कन्यादान' कविता में किसके दुःख की बात की गई है और क्यों?
ii. अट नहीं रही है कविता का मूल भाव स्पष्ट करें ?
iii. पद्यांश के आधार पर परशुराम के स्वभाव की विशेषताओं पर कोई दो टिप्पणी कीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकरे सिसकना क्यों भूल जाता है?

ii. जॉर्ज पंचम की नाक सम्बन्धी लम्बी दास्तान को अपने शब्दों में स्पष्ट लिखिए ।

iii. एक संवेदनशील युवा नागरिक के रूप में पर्यावरण-प्रदूषण को रोकने में आपकी क्या भूमिका हो सकती है? साना साना हाय जोड़ि पाठ को दृष्टि में रखते हुए उत्तर दीजिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **मेरे सपनों का भारत** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- भारत के बारे में मेरे विचार
- सांप्रदायिकता आदि से मुक्त उन्नत भारत की चाह
- सुखी समृद्ध भारत

ii. **परीक्षा के कठिन दिन** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

iii. **शारीरिक शिक्षा और योग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- शारीरिक शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व
- शारीरिक शिक्षा और योग
- प्रभाव और अच्छे परिणाम

15. शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर शिक्षकों के सम्मान हेतु विद्यार्थियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम का वर्णन करते हुए बड़ी बहन को पत्र लिखिए।

OR

अपनी बहन को पत्र लिखकर योगासन करने के लिए प्रेरित कीजिए।

16. मयूर नोबल स्कूल को गणित अध्यापक की आवश्यकता है। इसके लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

OR

आपने अपने शहर में डिजाइनर बुटिक खोला है। उसके प्रचार के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

17. अपने मित्र के भारतीय टीम में चयन होने पर शुभकामना संदेश 30-40 शब्दों में लिखिए।

OR

प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों को कोविड-19 माहामारी में नवरात्रि के पर्व की शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 03 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) क्योंकि कर्म ही ऊर्जा का साधन है

   II. (ii) वह हमेशा खाली पड़ी जगह को भर देता है

   III. (iii) जब वह कल्याण की भावना से मानवता की सेवा करता है

   IV. (i) जब हम स्वेच्छा से कर्म नहीं करते हैं

   V. (ii) जिसमें जीवमात्र की कल्याण भावना निहित होती है

OR

   I. (i) लड़कियों की ख़राब दशा पर

   II. (ii) बच्चों की दशा को सुधारना

   III. (iii) संतान का

   IV. (iv) असहिष्णुता का

   V. (i) क्षीण

2. I. (i) वह तपकर मज़बूत हो जाती है

   II. (ii) उपमा

   III. (iv) रात होने पर

   IV. (i) क्योंकि वह मिट्टी को कूटता - पीटता है

   V. (ii) अनश्वर

OR

   I. (i) घमंडी प्रवृत्ति की ओर

   II. (ii) कर्तव्य भाव को रखते हुए अधिकारों की लडाई को छोड़ना

   III. (iii) जिससे दुःख दूर होता है

   IV. (iv) जो अपना मन सुंदर और स्वच्छ रखते हैं

   V. (ii) जिसके मन में उल्लास हो

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (a) संयुक्त वाक्य

   Explanation: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

ii. (a) चौकीदार आया तो था परन्तु वह आवाज़ लगाकर चला गया।

Explanation: एक प्रधान और एक आश्रित उपवाक्य होने के कारण यही उपयुक्त वाक्य होगा।

iii. (d) संज्ञा उपवाक्य

Explanation: यहाँ 'वह दिल्ली जा रहा है' उपवाक्य प्रधान वाक्य 'उसने कहा' के कर्म के रूप में प्रयुक्त हुआ है इसलिए यह संज्ञा उपवाक्य है।

iv. (b) संयुक्त वाक्य

Explanation: 'यहाँ पहले जंगल था' तथा 'अब घनी बस्ती है' ये दोनों ही पूर्ण वाक्य हैं इसलिए ये संयुक्त वाक्य हैं।

v. (d) सरल वाक्य

Explanation: एक कर्ता और क्रिया होने के कारण यह सरल वाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) प्रेमचंद के द्वारा गोदान लिखा गया।

Explanation: कर्ता 'प्रेमचंद' के साथ 'के द्वारा' लगाकर क्रिया को 'गोदान' के अनुसार परिवर्तित कर दिया गया है इसलिए यही उचित वाक्य है।

ii. (a) कर्मवाच्य

Explanation: अज्ञात कर्ता में कर्मवाच्य होता है।

iii. (d) कर्मवाच्य

Explanation: कर्मवाच्य की क्रिया कर्म के अनुसार परिवर्तित होती है इसलिए कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है।

iv. (c) भाववाच्य

Explanation: यह भाववाच्य है क्योंकि यहाँ कर्ता 'पक्षियों' के साथ 'से' लगा हुआ है और क्रिया 'उड़ा जाता है'।

v. (a) मुझसे चला नहीं जाता।

Explanation: भाववाच्य का उचित उदाहरण यही है क्योंकि यहाँ कर्ता के साथ 'से' लगा हुआ है और क्रिया अन्यपुरुष एकवचन की है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

Explanation: यह अनिश्चयवाचक सर्वनाम है। इसका प्रयोग मकान के लिए हुआ है।

ii. (c) गुणवाचक विशेषण

Explanation: परिश्रम की विशेषता बताने के कारण यह गुणवाचक विशेषण है।

iii. (b) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, सम्बन्ध कारक।

Explanation: सीमाओं - जातिवाचक संज्ञा है। यह बहुवचन है। सीमाओं का संबंध रक्षा से होने के कारण सम्बन्ध कारक है।

iv. (c) काला घोड़ा तेज़ भागता है।

Explanation: घोड़े के भागने की रीति बताने के कारण यही रीतिवाचक क्रियाविशेष्ण का उपयुक्त उदाहरण है।

v. (a) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन , पुल्लिंग , कर्ता कारक

Explanation: आप - मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम है। सम्मानीय शब्द होने के कारण इसका प्रयोग प्रायः बहुवचन के लिए होता है। वाक्य में इसका प्रयोग कर्ता के रूप में होने के कारण यह कर्ता कारक है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (d) करुण रस

      Explanation: बालिका के कथन से करुणा की अभिव्यक्ति हो रही है इसलिए यहाँ करुण रस है।

   ii. (c) रति

      Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण श्रृंगार रस का स्थायी भाव रति है।

   iii. (d) करुण रस

      Explanation: दुःख की प्रधानता होने के कारण शोक करुण रस का स्थायी भाव है।

   iv. (a) हास्य रस

      Explanation: हास्य का विस्तार और पोषण होने के कारण 'हास' हास्य रस का स्थायी भाव है।

   v. (b) नाक

      Explanation: आलंबन 'नाक' है क्योंकि यही आश्रय के मन में हास्य रस के स्थायी भाव को जगाने में सहायक हुई है।

7. I. ज़ोर से हँसते हुए बोलना।
   II. चश्मा हर बार बदलने के बारे में
   III. सभी विकल्प सही हैं
   IV. वह बार- बार बदलते चश्मों का कारण जानना चाहते थे
   V. सभी विकल्प सही हैं

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. (b) बिना चश्मे वाली नेताजी की मूर्ति

      Explanation: बिना चश्मे वाली नेताजी की मूर्ति

   ii. (b) करुण संगीत -सा

      Explanation: फादर बुल्के को याद करना लेखक को करुण संगीत सुनने सा लगता है ।

   iii. (c) माँ

      Explanation: माँ की भेजी चिट्ठियाँ वे अपने अभिन्न मित्र को दिखाया करते थे।

9. I. (ii) दुर्बलता को ताकत बनाने के लिए
   II. (i) जलने के लिए
   III. (i) ये जीवन के बंधन हैं
   IV. (iii) वस्त्र और आभूषण के भ्रम में
   V. (iv) ऋतुराज

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
    i. (c) उपमा

Explanation: क्योंकि परशुराम जी के वचन करोड़ों वज्रों के समान भयंकर थे।

ii. (c) पाठक

Explanation: पाठक(पुल्लिंग) - पाठिका(स्त्रीलिंग)

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:
    i. ग्राम्य जीवन अधिकांशतः कृषि आधारित जीवन है। सूखे पड़े खेतों को देख शांत पड़े कृषकों को वर्षा होने की प्रतीक्षा रहती है। वर्षा न होने तक कृषक उदासीन रहते हैं। आषाढ़ मास में जैसे ही आकाश बादल से घिर जाते हैं, वैसे ही उदासीन मन प्रफुल्लित हो उठते हैं। इसी महीने में किसान धान की रोपनी करते हैं। और बरसात धान के फसल के लिए बहुत जरूरी होती है। जैसे ही रिमझिम बारिश होती है, सूखी धरती की प्यास बुझती है, वैसे ही संपूर्ण ग्राम्य जीवन उल्लास से भर जाता है। आषाढ़ की फुहार के साथ ही सारा गाँव खेत में दिखाई देने लगता था।
    ii. लेखक को सेकंड क्लास के डिब्बे में आया देखकर नवाब साहब के चेहरे पर असंतोष के भाव साफ़ नज़र आने लगे | उन्हें अपने एकांत में बाधा का अनुभव होने लगा और अनमने भाव से वह खिड़की से बाहर देखने लगे | जैसे ही लेखक उनकी तरफ देखते वह उनसे नज़रें फेर लेते | नवाब साहब के इन हाव-भाव को देखकर लेखक ने अनुमान लगाया कि नवाब साहब उनसे बात करने के लिए किंचित भी उत्सुक नहीं हैं |
    iii. नेताजी की मूर्ति में सबसे बड़ी कमी थी मूर्ति पर चश्मा न होना | मूर्ति बनाते समय या तो जल्दबाज़ी में मूर्तिकार चश्मा बनाना भूल गया होगा या उसके सामने असमंजस की स्थिति रही होगी | यह भी हो सकता है कि अत्यंत बारीक काम होने के कारण बनते समय चश्मा टूट गया होगा |
    iv. फादर कामिल बुल्के का हिंदी के प्रति चिंतित होना स्वभाविक था क्योंकि हिंदी को देश की राष्ट्रभाषा का गौरव पूर्ण स्थान प्राप्त नहीं हो सका था। वे जहां कहीं भी वक्तव्य देते अपने इस चिंता को अवश्य प्रकट करते थे। वे इस बात को उठाते हुए अपनी वेदना प्रकट करते थे। वे हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए उचित तर्क भी देते थे। उन्हें आश्चर्य भी होता था की हिंदी को अपने ही देश में उचित स्थान नहीं मिल पा रहा था, स्वयं हिंदी भाषियों द्वारा हिंदी के साथ की जाने वाली उपेक्षा उनका दुख बढ़ा देती थी। हिंदी वालों द्वारा हिंदी का अनादर और उपेक्षा किए जाने पर उनके मन में चीख सुनाई देती थी जिसको हर मंच पर सुना जा सकता था।
12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
    i.
       - कन्यादान कविता में माँ के दुःख की बात की गई है।
       - क्योंकि वह अपनी पुत्री का कन्यादान कर रही है। तो उन्हें बहुत दुख हो रहा था क्योंकि उनको मालूम है कि उनकी बेटी अभी इतनी सयानी नहीं हुई है जो ससुराल में जाकर वह अपना वैवाहिक जीवन सुख से व्यतीत कर सकें।
    ii. 'अट नही रही है कविता में प्रकृति में चारों ओर सुंदरता व्याप्त है। कविता के मूल भाव के अनुसार फाल्गुन की सुंदरता घर-मन और तन में समाये नहीं समाती है। वृक्ष लाल और हरे रंग से ढके हुए है | आकाश विभिन पक्षियों से अटा पड़ा है | घर-घर में सुगंधित वायु व्याप्त है। चारों ओर सिर्फ सुंदरता ही सुंदरता है जो मानव मन को आह्लादित कर रही है और कही नहीं समा रही है ।
    iii. राम लक्ष्मण परशुराम संवाद के आधार पर परशुराम के चरित्र की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

i. परशुराम अत्यंत क्रोधी स्वभाव के हैं | उनका क्रोध विश्वप्रसिद्ध है |

ii. उन्हें अपनी वीरता पर और धनुर्विद्या पर घमंड है | अपनी इसी वीरता से उन्होंने अनेक बार धरती को क्षत्रियों से रहित कर ब्राह्मणों को दान में दी थी |

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना इसलिए भूल जाता है क्योंकि बच्चों को अपनी उम्र के बच्चों के साथ ही खेलना अच्छा लगता है। वह अपने मित्रों के साथ उन सब खेलों का आनंद लेना चाहता होगा। मित्रों के साथ खेलते समय यदि वह रोता है तो उसके मित्र उसकी हंसी बनाते हैं और उसे अपने साथ नही खिलाते।

ii. a. इस पाठ में सरकारी तंत्र के खोखलेपन तथा अवसरवादिता को अत्यंत प्रतीकात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। यह लेख भारत के अधिकारियों की स्वाभिमान शून्यता पर करारा व्यंग्य है जो अभी भी गुलामी की मानसिकता से जकड़े हुए हैं |

b. यह एक गंभीर समस्या थी कि इंडिया गेट के सामने वाली जॉर्ज पंचम की लाट से उसकी नाक गायब हो गई वह भी तब जब इंग्लैण्ड से महारानी एलिजाबेथ और प्रिंस फिलिप का भारत भ्रमण पर आने वाले थे ।

c. इस मूर्ति पर नाक लगवाने के लिए गम्भीरतापूर्वक प्रयास किए गए, जिसके लिए मूर्तिकार को बुलाया गया, फाइलों में मूर्ति के पत्थर से सम्बन्धित जानकारी ढूँढे गए, मूर्तिकार द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों और खानों का दौरा किया गया महापुरुषों तथा स्वाधीनता सेनानियों की मूर्तियों के साथ-साथ बिहार में शहीद हुए बच्चों की नाकों का नाप लिया गया और उपयुक्त नाक न मिलने पर ज़िंदा व्यक्ति का नाक लगाने का निर्णय लिया गया | इसकी परिणति एक जिंदा व्यक्ति की नाक लगाए जाने से होती है।

iii. प्रदूषण आज की प्रमुख समस्याओं में से एक है जो मानव द्वारा निर्मित है। इसने प्रकृति और मानव को मकड़ी के जाले के समान इस प्रकार बाँध लिया है कि वह उसमें फँसता ही जा रहा है। ये प्रदूषण का श्राप वायु प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, जल प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण के रूप में मानव-जाति को नुकसान पहुँचा रहा है। इससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। मौसम चक्र बिगड़ने के कारण भयावह परिणाम जैसे बढ़ता तापमान, बेमौसम बरसात या कहीं सूखा आदि प्राकृतिक प्रकोप बढ़ते ही जा रहे हैं और मानव को कष्ट पहुंचा रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी को पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए कमर कसनी होगी। लोगों को जागरूक करना होगा। वनों को संरक्षित करने का अभियान छेड़ना होगा। अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए लोगों को सर्वप्रथम वह लोगों जो नदियों को दूषित होने से बचाना होगा। भूमि को प्रदूषण से बचा स्वच्छता व प्राकृतिक जीवन जीने के लिए अभियान चलाने होंगे। पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फेसबुक, ट्विटर व इंटरनेट के जरिए भी फैलाई जा सकती है। तभी इस धरती को बचाया जा सकता है अन्यथा प्रदूषण के परिणाम दुखद होंगे और मानव का अस्तित्व एक भयानक संकट में फँसता जाएगा।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. भारत देश मुझे अपने प्राणों से भी अधिक प्रिय है। मुझे अपने भारतीय होने पर गर्व का अनुभव होता है। मेरा देश संसार के सभी देशों से निराला है और संसार के सब देशों से प्यारा है। मैं भारत को विश्व के शक्तिशाली देश के रूप में देखना चाहता हूँ। मैं ऐसे भारत का सपना देखता हूँ, जो भ्रष्टाचार, शोषण और हिंसा से मुक्त हो। मेरे सपनों का भारत 'सुशिक्षित भारत' है। उसमें अनपढ़ता, निरक्षरता और बेरोजगारी का कोई स्थान नहीं है। मैं चाहता हूँ कि हमारे देश के नियोजक ऐसी शिक्षा लागू करें, जिसके बाद व्यवसाय या नौकरियाँ सुरक्षित हों। कोई भी व्यक्ति अशिक्षित न हो और कोई भी शिक्षित बेरोज़गार न हो।

मैं चाहता हूँ कि भारत सांप्रदायिक दंगों-झगड़ों से दूर रहे। सब में आपसी भाईचारा और प्रेम का संबंध हो। राष्ट्रीय एकता का संचार हो। जो सम्मान भारत का प्राचीन काल में था वही सम्मान मैं पुनः उसे प्राप्त कराना चाहता हूँ।
मैं फिर से रामराज्य की कल्पना करता हूँ, जिसमें सभी लोगों को जीने के समान अवसर प्राप्त हो सकें। भारत एक बार फिर 'सोने की चिड़िया' बन जाए। मेरे सपनों का भारत वह होगा, जो राजनीतिक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और वैज्ञानिक आदि विभिन्न दृष्टियों से उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। भावी भारत के सपनों की पूर्णता के लिए आवश्यक है कि हमारे देश का प्रत्येक नागरिक देश की प्रत्येक कुरीति को समूल नष्ट करने का दृढ़ संकल्प करें।

ii. वास्तव में परीक्षा के दिन कठिन उन विद्यार्थियों के लिए होते हैं, जो परीक्षा से जूझने के लिए, परीक्षा में खरा उतरने के लिए, पहले से ही समय के साथ-साथ तैयारी नहीं करते। जो विद्यार्थी प्रतिदिन की कक्षाओं के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी भी करते जाते हैं, उन्हें परीक्षा का सामना करने से डर नहीं लगता। वे तो परीक्षा का इंतजार करते हैं। उन्हें परीक्षा के दिन कठिन नहीं, सुखद लगते हैं। वे परीक्षा की कसौटी पर खरा उतरना चाहते हैं और खरा उतरना जानते भी हैं, क्योंकि जिस प्रकार सोने को कसौटी पर परखा जाता है, उसी प्रकार विद्यार्थी की योग्यता की परख परीक्षा की कसौटी पर होती है। यही एक प्रत्यक्ष प्रमाण या मापदण्ड होता है, जिससे परीक्षार्थी के योग्यता-स्तर को जाँच कर उसे अगली कक्षा में प्रवेश के लिए या नौकरी के योग्य समझा जाता है।
परीक्षा तो विद्यार्थियों को गंभीरतापूर्वक अध्ययन करने के लिए कहती है। परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थी परीक्षा की डटकर तैयारी करते हैं, उन्हें परीक्षा से डर नहीं लगता। परीक्षा विद्यार्थियों में स्पर्धा की भावना भरती है तथा उनकी आलसी प्रवृत्ति को झकझोर कर परिश्रम करने में सहायक बनती है। परीक्षा तो परीक्षा ही होती है। पर परीक्षा-पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थी की शिक्षा का मूल उद्देश्य पूरा हो, उसकी योग्यता की सही जाँच हो और उसे परीक्षा के दिन कठिन न लगें। इसके लिए सार्थक प्रयास करने होंगे और ये प्रयास तभी सफल होंगे, जब उन्हें सुनियोजित योजना के तहत लागू किया जाएगा।

iii. **शारीरिक शिक्षा और योग**

शारीरिक शिक्षा का तात्पर्य ऐसी शिक्षा से है, जिसमें शारीरिक गतिविधियों के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने की कला सिखाई जाती है। शारीरिक विकास के साथ-साथ इससे व्यक्ति का मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास भी होता है। शारीरिक शिक्षा में योग का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य शरीर, मन एवं आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना होता है। यह मन शांत एवं स्थिर रखता है, तनाव को दूर कर सोचने की क्षमता, आत्मविश्वास एवं एकाग्रता को बढ़ाता है। नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है, साथ ही यदि कोई रोग है तो इसके द्वारा उसका उपचार भी किया जा सकता है।
कुछ रोगों में तो दवा से अधिक लाभ योग करने से होता है। तमाम शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि योग संपूर्ण जीवन की चिकित्सा पद्धति है। पश्चिमी देशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है और लोग तेज़ी से इसे अपना रहे हैं। योग की बढ़ती लोकप्रियता एवं महत्त्व का ही प्रमाण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी योग का समर्थन करते हुए 21 जून को योग दिवस घोषित कर दिया है।
वर्तमान परिवेश में योग न सिर्फ हमारे लिए लाभकारी है, बल्कि विश्व के बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय व्यस्तताओं से उपजी समस्याओं के निवारण में इसकी सार्थकता और भी बढ़ गई है। यही कारण है कि धीरे-धीरे ही सही, आज पूरी दुनिया योग

की शरण ले रही है।

15. मानक नगर, नई दिल्ली

२४ मार्च २०१९

आदरणीया अग्रजा

सादर प्रणाम

आप कैसी हैं ? बहुत दिनों से कोई समाचार नहीं मिला। मैं ईश्वर से आपकी कुशलता की कामना करती हूँ। मैं इस पत्र में अपने विद्यालय में मनाए गए शिक्षक दिवस के बारे में बता रही हूँ। 5 सितम्बर को हमारे विद्यालय में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया था। इस दिन प्रधानाचार्य द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया और अलग-अलग श्रेणियों में उन्हें सम्मानित भी किया गया। हम सब विद्यार्थियों ने ही उस दिन कक्षाएँ लीं | शिक्षकों के सम्मान में हम सब छात्र-छात्राओं ने अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, संगीत आदि का आयोजन किया। हम सबने अध्यापकों के मनोरंजन के लिए कई रोचक खेलों का भी आयोजन किया जिसमें सभी ने प्रसन्नता पूर्वक भाग लिया और उन्हें मजा भी आया। प्रबन्धक महोदय द्वारा समस्त शिक्षकों को उपहार प्रदान किए गए और अन्त में भोज हुआ। शिक्षकगण भी बहुत प्रसन्न हुए। इस प्रकार यह शिक्षक दिवस का समारोह एक यादगार दिन बन गया। निश्चित ही मैं यह दिन मैं हमेशा याद रखूंगी।

माँ-पिताजी को मेरा सादर प्रणाम व छोटे भाई को शुभाशीष। पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में-

आपकी छोटी बहन

सुनीता

OR

ए-2/85,

वसंत विहार,

नई दिल्ली।

दिनांक ....

प्रिय संजना

प्रसन्न रहो।

तुम्हारा पत्र मिला। यह जानकर चिन्तित होना स्वाभाविक था कि अभी भी तुम्हारा स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक नहीं है। मुझे तुम्हारी सहेली तृप्ति से पता चला कि तुम्हारी दिनचर्या अत्यधिक अस्त-व्यस्त है तथा तुमने योगासन करना भी छोड़ दिया है जिसके कारण तुम्हारे स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है और पढ़ाई में भी तुम्हारा मन भी एकाग्र नहीं हो पा रहा है इसके अतिरिक्त तुम्हारी अन्य गतिविधियाँ भी प्रभावित हैं। मेरी सलाह है कि तुम नियमित रूप से योगा अभ्यास अवश्य करो । इसके बहुत से सकारात्मक परिणाम तुम्हें स्वत: अनुभव होंगे।

प्रिय संजना योगासन से शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है। माँसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा आलस्य दूर हो जाता है। योगासन तथा योग करने वाले छात्रों का मन पढ़ाई में भी खूब लगता है तथा उनकी स्मरण शक्ति भी बढ़ती हैं। तुमने पढ़ा ही होगा-'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है'। अतः मेरी सलाह मानो और नियमित योग तथा व्यायाम करने का अभ्यास डालो

साथ ही साथ अपनी खान-पान की आदत में भी सुधार लाने का प्रयास अवश्य करो।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम मेरी सलाह पर तुरन्त अमल शुरू कर दोगी तथा पत्र द्वारा मुझे सूचित भी करोगी। घर में सभी को मेरा प्रणाम कहना, शेष मिलने पर।

तुम्हारी बहन

रिया

16.

मयूर नोबल स्कूल
आवश्कता है गणित अध्यापक की योग्यता - बी.एस.सी./बी. कॉम., बी. एड.,वांछनीय -कम्पूटर का कार्यसाधक ज्ञान कम से कम चार वर्षों का अध्यापन अनुभव योग्यतानुसार आकर्षक वेतमान
दिनांक : 17 से 19 जनवरी, 2019 तक प्रधानाचार्य के कक्ष में शैक्षणिक प्रमाण - पत्रों के साथ मिलें। दूरभाष : 011-2625XXXX

OR

सम्पूर्ण कलेक्शनस बुटिक फॉर वुमेन

स्पेशलिस्ट

वैडिंग कलेक्शन

पार्टी कलेक्शन

- लहंगा-ओढ़नी
- डिज़ाइनर कुर्तियाँ
- पार्टी वेयर सूट
- डिज़ाइनर साड़ी

कम दाम, उचित काम

समय पर काम पूरा करने की गारंटी

पता-

E- 43 मिन्टो रोड,

नई दिल्ली

फोन नं. 982112XXXX

17.

संदेश

12-10-2020

प्रातः 11:00 बजे

प्रिय जसबीर आज सुबह के समाचार पत्र को देखकर पता चला कि तुम्हारी टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया है और तुम्हारे अच्छे प्रदर्शन के कारण तुम्हारा चयन भारतीय टीम में कर लिया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम और भी अधिक सफलता प्राप्त करोगे और आगे चलकर देश का नाम रोशन करोगे। हम सबकी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

गिरीश

OR

संदेश

24 मार्च, 2020

रात्रि 8:00 बजे

प्रिय भारतवासियों

आप सभी को नवरात्रि के पर्व की अग्रिम शुभकामनाएँ देता हूँ। आप सभी यह त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाएँ व लॉक डाउन के सभी नियमों का पालन भी करें। घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

प्रधानमन्त्री

नरेंद्र मोदी